करियर शीट · CAREER SHEET

SSC JE — Junior Engineer (Civil, Mechanical & Electrical) Examination

कनिष्ठ अभियंता की परीक्षा कर्मचारी चयन आयोग की वह भर्ती है जिससे अभियांत्रिकी की डिग्री अथवा डिप्लोमा रखने वाला व्यक्ति केंद्र सरकार के निर्माण एवं अभियांत्रिकी संगठनों में तकनीकी अधिकारी के रूप में जाता है। इस परीक्षा से सीमा...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/ssc-je

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी
Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)
www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

कनिष्ठ अभियंता की परीक्षा कर्मचारी चयन आयोग की वह भर्ती है जिससे अभियांत्रिकी की डिग्री अथवा डिप्लोमा रखने वाला व्यक्ति केंद्र सरकार के निर्माण एवं अभियांत्रिकी संगठनों में तकनीकी अधिकारी के रूप में जाता है। इस परीक्षा से सीमा सड़क संगठन, केंद्रीय जल आयोग, ब्रह्मपुत्र बोर्ड, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग तथा अन्य संगठनों के पद भरे जाते हैं, और शाखाएँ सिविल, विद्युत एवं यांत्रिक हैं। इसके अतिरिक्त इसी परीक्षा से कनिष्ठ अभियंता (दूरसंचार), कनिष्ठ अभियंता (गुणवत्ता सर्वेक्षण एवं संविदा) तथा भारत मौसम विज्ञान विभाग में वैज्ञानिक सहायक जैसे पद भी भरे जाते हैं। कनिष्ठ अभियंता वह व्यक्ति है जो निर्माण-स्थल पर तकनीकी दृष्टि से खड़ा रहता है — माप लेना, गुणवत्ता जाँचना, प्राक्कलन बनाना एवं काम की प्रगति देखना उसी का काम है। सड़कें, पुल, बाँध, नहरें एवं सरकारी भवन इसी स्तर की देखरेख से बनते हैं।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	सम्बन्धित शाखा में अभियांत्रिकी की डिग्री; अथवा उसी शाखा में तीन वर्ष का डिप्लोमा एवं उसके साथ दो वर्ष का कार्य-अनुभव। दोनों रास्ते बराबर नहीं हैं — अनुभव की शर्त केवल डिप्लोमा वाले पर लगती है
भर्ती संस्था	कर्मचारी चयन आयोग (एस.एस.सी.), भारत सरकार — संगठन: सीमा सड़क संगठन, केंद्रीय जल आयोग एवं अन्य
आयु-सीमा	अधिकांश संगठनों के लिए 30 वर्ष तक, कुछ के लिए 32 वर्ष तक — यह संगठन के अनुसार बदलता है, इसलिए विज्ञप्ति की तालिका देखें
आरंभिक वेतन	केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 6 — मूल वेतन ₹35,400
माँग	एक परीक्षा, कई संगठन एवं तीन शाखाएँ — शाखा आपकी डिग्री अथवा डिप्लोमा से तय होती है

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- निर्माण, संरचना एवं मशीनों में रुचि
- क्षेत्र में जाकर काम देखना एवं तकनीकी रूप से जाँचना

- सार्वजनिक अवसंरचना — सड़क, पुल, बाँध एवं भवन

क्षमताएँ

- गणितीय एवं तकनीकी क्षमता तथा माप एवं प्राक्कलन में सटीकता
- आरेखन (ड्रॉइंग) पढ़ने एवं उसे ज़मीन पर उतारने की समझ
- ठेकेदारों एवं श्रमिकों के साथ व्यावहारिक व्यवहार

ज़रूरी कौशल

- सर्वेक्षण, माप एवं माप-पुस्तिका का अभिलेखन
- प्राक्कलन एवं दर-विश्लेषण
- निर्माण-सामग्री की जाँच एवं गुणवत्ता नियंत्रण
- ऑटोकैड एवं शाखा-विशेष सॉफ़्टवेयर
- सुरक्षा मानकों एवं स्थल-प्रबंधन की समझ
- संविदा एवं निविदा की प्रारंभिक जानकारी

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान वर्ग से भौतिकी, रसायन एवं गणित के साथ उत्तीर्ण करें; अथवा कक्षा 10 के बाद सीधे पॉलिटेक्निक डिप्लोमा में प्रवेश लें, जो राजस्थान में एक सामान्य एवं सस्ता रास्ता है।
2. सम्बन्धित शाखा — सिविल, विद्युत अथवा यांत्रिक — में अभियांत्रिकी की डिग्री (बी.ई./बी.टेक.) अथवा तीन वर्ष का डिप्लोमा पूरा करें। जो शाखा आप चुनेंगे वही तय करेगी कि आप किन संगठनों एवं किन पदों के लिए पात्र हैं।
3. यदि आपके पास डिप्लोमा है तो यह ध्यान से पढ़ें, क्योंकि यही वह शर्त है जो सबसे अधिक भ्रम पैदा करती है: डिप्लोमा के साथ दो वर्ष का कार्य-अनुभव भी आवश्यक है — योजना, निष्पादन अथवा अनुरक्षण के काम में। डिग्री वालों पर यह शर्त नहीं लगती। अर्थात् डिप्लोमा से यह द्वार बंद नहीं है, पर वह तुरंत नहीं खुलता; उसके लिए पहले दो वर्ष का अनुभव जुटाना होगा।
4. इसी बात का एक व्यावहारिक निष्कर्ष राजस्थान के विद्यार्थियों के लिए है: राज्य की कनिष्ठ अभियंता भर्ती डिप्लोमा पर अनुभव की शर्त नहीं लगाती। इसलिए डिप्लोमा रखने वाला व्यक्ति राज्य की भर्ती के लिए तुरंत पात्र हो सकता है और केंद्र की इस भर्ती के लिए दो वर्ष बाद। दोनों को एक साथ योजना में रखना समझदारी है — राज्य की भर्ती का प्रयास करते हुए वही अनुभव जुटता जाता है जो आगे केंद्र के लिए काम आएगा।
5. आयु का ध्यान रखें: यह संगठन के अनुसार 30 अथवा 32 वर्ष तक होती है और विज्ञप्ति में संगठन-वार तालिका दी जाती है। एक ही संख्या मानकर न चलें।
6. आयोग की वेबसाइट पर विज्ञप्ति आने पर ऑनलाइन आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- योग्यता की शर्त इस परीक्षा की सबसे महत्त्वपूर्ण बात है और उसे पूरा पढ़ना आवश्यक है। विज्ञप्ति संगठन-वार तालिका देती है, और उसका रूप यह है: सम्बन्धित शाखा में अभियांत्रिकी की डिग्री; अथवा उसी शाखा में तीन वर्ष का डिप्लोमा और उसके साथ दो वर्ष का कार्य-अनुभव। बहुत-सी सामग्री इसे केवल "डिग्री अथवा डिप्लोमा" लिखकर छोड़ देती है, और वहीं से भ्रम आरंभ होता है — क्योंकि जो आधा हिस्सा छूटता है वही तय करता है कि डिप्लोमा वाला अभ्यर्थी इस वर्ष आवेदन कर सकता है या दो वर्ष बाद।
- यह परीक्षा है, पद नहीं — और यहाँ इसका अर्थ यह है कि एक ही भर्ती से कई संगठनों एवं कई प्रकार के पदों पर नियुक्ति होती है। सीमा सड़क संगठन का काम दुर्गम सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क बनाना है; केंद्रीय जल आयोग का काम नदियों, बाँधों एवं जल-संसाधनों से जुड़ा है; केंद्रीय लोक निर्माण विभाग सरकारी भवन बनाता एवं सँभालता है। काम का स्वरूप एवं तैनाती का स्थान इनमें बहुत भिन्न है, इसलिए वरीयता भरते समय यह जान लेना उपयोगी है कि किस संगठन का काम कैसा है।
- एक तुलना जो इस पोर्टल पर उपयोगी है: राजस्थान का सहायक अभियंता पद डिग्री माँगता है और उसकी मुख्य परीक्षा वर्णनात्मक होती है, जिसमें अनिवार्य हिंदी का प्रश्न-पत्र भी है; राज्य का कनिष्ठ अभियंता डिप्लोमा पर बिना अनुभव के लिया जाता है; और यह केंद्रीय कनिष्ठ अभियंता डिग्री पर तुरंत तथा डिप्लोमा पर दो वर्ष के अनुभव के बाद। तीनों की तैयारी का तकनीकी आधार एक ही है, इसलिए एक साथ योजना बनाना व्यावहारिक है। साथ ही पे मैट्रिक्स के स्तर की संख्या राज्य एवं केंद्र में एक जैसी नहीं होती — केंद्र का लेवल 6 ₹35,400 है; तुलना रुपये से करें, स्तर की संख्या से नहीं।
- आयु भी एक संख्या नहीं है। अधिकांश संगठनों के लिए ऊपरी सीमा 30 वर्ष है, पर कुछ के लिए 32 वर्ष — केंद्रीय जल आयोग उनमें है। यह भेद विज्ञप्ति की उसी तालिका में दिया जाता है जिसमें योग्यता दी जाती है, इसलिए दोनों को एक साथ पढ़ें। जिस संगठन के लिए आप पात्र हैं और जिसकी आयु-सीमा आप पर लागू होती है — दोनों एक ही पंक्ति में मिलते हैं।
- चयन कंप्यूटर आधारित प्रश्न-पत्रों से होता है, जिनमें सामान्य बुद्धि एवं तर्कशक्ति, सामान्य जागरूकता तथा आपकी शाखा का अभियांत्रिकी विषय आता है। शाखा का प्रश्न-पत्र वही है जो आपने तीन या चार वर्ष पढ़ा है, इसलिए तैयारी का बड़ा भाग पहले से हो चुका होता है — जो नया जोड़ना पड़ता है वह सामान्य जागरूकता एवं तर्कशक्ति का अभ्यास है। प्रश्न-पत्रों की विस्तृत योजना एवं अंक-भार आयोग की परीक्षा-योजना में दिए जाते हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- Government polytechnic colleges — the three-year diploma route, entered after Class 10 — राजस्थान के अनेक ज़िलों में (https://dte.rajasthan.gov.in/)
- Rajasthan Technical University and the government engineering colleges affiliated to it — the degree route — कोटा तथा राज्य भर के राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय (https://www.rtu.ac.in/)

- MNIT Jaipur — B.Tech. in Civil, Electrical and Mechanical Engineering — जयपुर, राजस्थान (https://mnit.ac.in/)
- Board of Technical Education, Rajasthan — reached through the Directorate of Technical Education portal — जोधपुर, राजस्थान (https://dte.rajasthan.gov.in/)

ऑनलाइन

- कर्मचारी चयन आयोग — विज्ञप्ति एवं संगठन-वार योग्यता तालिका — योग्यता एवं आयु दोनों इसी तालिका में मिलते हैं (https://ssc.gov.in/)
- एस.एस.सी. — पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र (निःशुल्क) — शाखा-विशेष प्रश्न-पत्रों की सबसे भरोसेमंद सामग्री (https://ssc.gov.in/for-candidates/previous-year-question-paper)
- एन.पी.टी.ई.एल. — अभियांत्रिकी के निःशुल्क पाठ्यक्रम, आई.आई.टी. के प्राध्यापकों द्वारा — भारत सरकार (https://nptel.ac.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

लागत का निर्णय कक्षा 10 अथवा 12 के बाद होता है और यहाँ दो रास्ते हैं जिनकी कीमत बहुत अलग है। पॉलिटेक्निक डिप्लोमा राजकीय संस्थान में सस्ता है और कक्षा 10 के बाद ही लिया जा सकता है, इसलिए वह उन परिवारों के लिए व्यावहारिक है जिनके लिए चार वर्ष की डिग्री का खर्च भारी है। राजकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय से बी.टेक. निजी महाविद्यालय की तुलना में कई गुना सस्ती पड़ती है और प्रवेश जे.ई.ई. मेन अथवा आर.ई.ए.पी. के अंकों पर होता है। एक क्रम जो आर्थिक दृष्टि से सबसे समझदार है: पहले डिप्लोमा, फिर उसी से कनिष्ठ अभियंता के राज्य स्तर के पदों पर प्रयास एवं काम का अनुभव, और साथ-साथ पार्श्व प्रवेश से डिग्री — इस क्रम में आय भी चलती रहती है, अनुभव भी जुटता है, और डिग्री भी पूरी हो जाती है। ध्यान रहे कि इस केंद्रीय भर्ती के लिए डिप्लोमा वालों को दो वर्ष का अनुभव चाहिए, इसलिए वे दो वर्ष व्यर्थ नहीं जाते — वे इसी शर्त को पूरा करते हैं। तैयारी के लिए महँगी कोचिंग आवश्यक नहीं: शाखा का प्रश्न-पत्र वही है जो पढ़ा है, एन.पी.टी.ई.एल. पर आई.आई.टी. के पाठ्यक्रम निःशुल्क हैं, और आयोग पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र स्वयं प्रकाशित करता है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)

- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

निर्माण-स्थल एवं संगठन के मंडल कार्यालय — सीमा सड़क संगठन की तैनाती दुर्गम सीमावर्ती क्षेत्रों में हो सकती है, केंद्रीय जल आयोग की नदी एवं बाँध परियोजनाओं पर, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की सरकारी भवनों पर। काम कार्यालय एवं स्थल के बीच बँटा रहता है।

कार्य-संस्कृति

कनिष्ठ अभियंता का पद तकनीकी काम एवं ज़िम्मेदारी दोनों का मिलन-बिंदु है। दिन का बड़ा भाग स्थल पर बीतता है — माप लेना, सामग्री जाँचना, काम की प्रगति देखना — और शेष कार्यालय में प्राक्कलन, माप-पुस्तिका एवं अभिलेख पर। ठेकेदारों एवं श्रमिकों के साथ निरंतर व्यवहार करना पड़ता है, और यहीं इस पद की असली परीक्षा है: गुणवत्ता के मानक पर टिके रहना, जबकि काम जल्दी निपटाने का दबाव कई दिशाओं से आता है। जो हस्ताक्षर आप माप-पुस्तिका पर करते हैं वह सार्वजनिक धन का प्रमाणपत्र है और वर्षों बाद भी जाँच में आ सकता है, इसलिए अभिलेख की सफ़ाई यहाँ तकनीकी कौशल जितनी ही महत्त्वपूर्ण है। तैनाती की बात ईमानदारी से कह देनी चाहिए: कुछ संगठनों में वह दुर्गम एवं दूरस्थ क्षेत्रों में होती है, जहाँ जलवायु कठिन होती है और परिवार को साथ रखना कठिन हो सकता है — इसके बदले वहाँ भत्ते अधिक मिलते हैं। इसका प्रतिफल ठोस है: जो सड़क, पुल अथवा नहर आपकी देखरेख में बनी वह ज़मीन पर दिखती है और दशकों चलती है।

कौन नौकरी देता है

- सीमा सड़क संगठन (बी.आर.ओ.)
- केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सी.पी.डब्ल्यू.डी.)
- केंद्रीय जल आयोग एवं ब्रह्मपुत्र बोर्ड
- भारत मौसम विज्ञान विभाग — वैज्ञानिक सहायक के पद, तथा दूरसंचार एवं गुणवत्ता सर्वेक्षण के कनिष्ठ अभियंता पद

माँग (2026)

केंद्र सरकार के निर्माण एवं जल-संसाधन संगठनों में तकनीकी कर्मियों की आवश्यकता स्थायी है और यह परीक्षा नियमित रूप से आयोजित होती है। साथ में तीन बातें जान लेनी चाहिए। पहली, रिक्तियों की संख्या संगठनों की माँग पर निर्भर करती है और चक्र-दर-चक्र बहुत बदलती है, इसलिए किसी एक वर्ष के आँकड़े से अगले वर्ष का अनुमान न लगाएँ। दूसरी, डिप्लोमा वालों के लिए दो वर्ष के अनुभव की शर्त वास्तविक बाधा है और वह प्रतिस्पर्धा को उन्हीं तक सीमित कर देती है जिन्होंने काम किया हो — यह उन लोगों के लिए नुक़सान है जो सीधे परीक्षा देना चाहते हैं, पर उन लोगों के लिए लाभ है जिनके पास अनुभव है। तीसरी, यह अभियांत्रिकी की तैयारी का एक हिस्सा भर है: वही डिग्री अथवा डिप्लोमा राज्य की कनिष्ठ एवं सहायक अभियंता भर्तियों, सार्वजनिक उपक्रमों, गेट, तथा निजी क्षेत्र में भी चलता है। इसलिए इस परीक्षा की तैयारी करते हुए विकल्प संकुचित नहीं होते, बल्कि वही तकनीकी आधार कई दिशाओं में काम आता है। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. कनिष्ठ अभियंता — प्रवेश-पद, केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 6 (मूल ₹35,400)
2. सहायक अभियंता / अधिशासी अभियंता — विभागीय पदोन्नति द्वारा, संगठन के संवर्ग-नियमों के अनुसार
3. अधीक्षण अभियंता — वृत्त स्तर का पर्यवेक्षण
4. मुख्य अभियंता — संगठन की अभियांत्रिकी शाखा का शीर्ष

कमाई

शुरुआत	केंद्रीय पे मैट्रिक्स लेवल 6 — मूल वेतन ₹35,400
मध्य स्तर	₹55,000 – ₹75,000 (भत्तों सहित, कुछ वर्षों की सेवा के बाद)
वरिष्ठ स्तर	₹90,000 से अधिक (भत्तों सहित, पदोन्नति के बाद)

आरंभिक आँकड़ा केंद्रीय पे मैट्रिक्स के लेवल 6 का पहला खाना है, जो आयोग की अपनी वेतन-सूची से लिया गया है। यह मूल वेतन है; महँगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता एवं यात्रा भत्ता इस पर अलग से जुड़ते हैं, और दुर्गम क्षेत्रों की तैनाती पर विशेष भत्ते उल्लेखनीय रूप से अधिक होते हैं — इसलिए हाथ में आने वाली राशि मूल वेतन से काफ़ी ऊपर रहती है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि यह इस पोर्टल की कक्षा 10 एवं 12 स्तर की केंद्रीय भर्तियों से काफ़ी ऊँचा स्तर है, और उसका कारण यही है कि यह तकनीकी योग्यता माँगता है। एक सावधानी: पे मैट्रिक्स के स्तर की संख्या राज्य एवं केंद्र में एक जैसी नहीं होती — केंद्र का लेवल 6 ₹35,400 है, जबकि राजस्थान के मैट्रिक्स की संख्याएँ भिन्न मूल्य रखती हैं। तुलना रुपये से करें, स्तर की संख्या से नहीं। मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक वेतन-पत्रक से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- तकनीकी योग्यता का सीधा प्रतिफल — वेतन-स्तर कक्षा 10 एवं 12 वाली केंद्रीय भर्तियों से काफ़ी ऊँचा
- डिप्लोमा वालों के लिए भी द्वार खुला है, यद्यपि अनुभव की शर्त के साथ
- काम ज़मीन पर दिखता है और दशकों चलता है
- वही योग्यता राज्य की भर्तियों, सार्वजनिक उपक्रमों, गेट एवं निजी क्षेत्र में भी चलती है

चुनौतियाँ

- डिप्लोमा पर दो वर्ष के कार्य-अनुभव की शर्त, जो डिग्री वालों पर नहीं लगती
- आयु-सीमा संगठन के अनुसार बदलती है, इसलिए एक ही संख्या मानकर चलना जोखिम है
- कुछ संगठनों में तैनाती दुर्गम एवं दूरस्थ क्षेत्रों में होती है
- ठेकेदारों एवं समय-सीमा का दबाव, और गुणवत्ता पर टिके रहने की निरंतर परीक्षा

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कर्मचारी चयन आयोग — आधिकारिक वेबसाइट — https://ssc.gov.in/
2. एस.एस.सी. — परीक्षा योजना — https://ssc.gov.in/for-candidates/scheme-of-examination
3. एस.एस.सी. — पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र — https://ssc.gov.in/for-candidates/previous-year-question-paper

4. तकनीकी शिक्षा निदेशालय, राजस्थान — पॉलिटेक्निक डिप्लोमा — https://dte.rajasthan.gov.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in